नॉर्वे ने ऐतिहासिक समावेशन नीतियों के लिये माफी मांगी

स्रोत: द हिंदू

नॉर्वे की संसद ने एक शताब्दी से चली आ रही **"नॉर्वेजियनीकरण"** नामक **समावेशन नीतियों** के लिये आधिकारिक माफी जारी की, जिसके तहत **सामी, क्वेन और फॉरेस्ट फिन समुदायों** के साथ भेदभाव किया जाता था।

- आत्मसातीकरण नीति विविध समूहों को प्रमुख संस्कृति में एकीकृत करने को बढ़ावा देती है, जिसके तहत प्रायः उन्हें इसके **मानदंडों, मूल्यों और भाषा को अपनाने की आवश्यकता** होती है, जिससे कभी-कभी **उनकी अपनी सांस्कृतिक पहचान भी समाप्त** हो जाती है।
- **नॉर्वेइजेशन प्रक्रिया** का उद्देश्य सामी, क्वेन और फॉरेस्ट फिन्स की संस्कृतियों और भाषाओं को मिटाना था।
  - मूलनिवासी बच्चों को उनके परिवारों से अलग कर सरकारी स्कूलों में भेज दिया गया, जहाँ उन्हें भेदभाव और जबरन सांस्कृतिक परिवर्तन का सामना करना पड़ा।
- **सामी:** उत्तरी यूरोप के मूल निवासी, मुख्यतः नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड और रूस के लोग **सामी भाषा** बोलते हैं, जो लुप्तप्राय है।
- **क्वेन और फॉरेस्ट फिन्स:** फिनलैंड और स्वीडन से आये प्रवासी जो सदियों पहले नॉर्वे में बस गए थे, जिनकी सांस्कृतिक प्रथाएँ अलग थीं।

और पढ़ें: जनजातीय विकास दृष्टिकोण

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/norway-apologizes-for-historical-assimilation-policies